Gyan Manthan, Vol 2, Issue 5, pp 372-384 May 2026 ISSN: **3108-3455**

GYAN MANTHAN
A MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

Gyan Manthan
Journal homepage: www.gyanmanthan.org ISSN: **3108-3455**

बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पोषित प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के आर्थिक प्रभाव का अध्ययन: खरगोन जिले के विशेष संदर्भ में

राधा पाटीदार
शोधार्थी, वाणिज्य विभाग
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय

सारांश

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को वित्तीय सहायता देकर स्वरोजगार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करती है। अध्ययन में खरगोन जिले में बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पोषित योजना के आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। लाभार्थियों की आय, रोजगार सृजन, व्यवसाय विस्तार एवं जीवन स्तर में सुधार, युवाओं, महिलाओं एवं लघु उद्यमियों को स्वरोजगार के नए अवसर, ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को गति, आत्मनिर्भरता, वित्तीय समावेशन एवं उद्यमशीलता का प्रोत्साहन, चुनौतियाँ: ऋण प्रक्रिया की जटिलता, जागरूकता की कमी, ऋण पुनर्भुगतान की समस्या। योजना खरगोन में आर्थिक विकास एवं स्वरोजगार के लिए प्रभावी सिद्ध हो रही है।

शब्दकुंजी: प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, बैंक ऑफ इंडिया, आर्थिक प्रभाव, स्वरोजगार, उद्‌यमिता, वित्तीय समावेशन, खरगोन जिला, आर्थिक विकास

प्रस्तावना

भारत की अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSMEs) उत्पादन, रोजगार सृजन, स्वरोजगार, स्थानीय संसाधनों के उपयोग तथा समावेशी आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में लघु व्यवसाय बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका का आधार हैं। इसके बावजूद छोटे उद्यमियों के लिए पर्याप्त संस्थागत वित्त की उपलब्धता, जटिल ऋण प्रक्रिया तथा सीमित वित्तीय जागरूकता जैसी समस्याएँ व्यवसाय की स्थापना एवं विस्तार में प्रमुख बाधाएँ रही हैं।

सूक्ष्म उद्यमियों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 8 अप्रैल 2015 को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (Pradhan Mantri Mudra Yojana–PMMY) प्रारम्भ की गई। इसका उद्देश्य गैर-कॉरपोरेट एवं गैर-कृषि सूक्ष्म उद्यमों को संस्थागत ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। योजना के अंतर्गत प्राप्त वित्तीय सहायता का उपयोग कार्यशील पूंजी, मशीनरी एवं उपकरणों की खरीद तथा व्यवसाय विस्तार जैसी उत्पादक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। अतः योजना की

प्रभावशीलता का मूल्यांकन केवल ऋण वितरण के आधार पर न करके लाभार्थियों की आय, व्यवसाय विस्तार, रोजगार सृजन तथा आर्थिक स्थिति में आए परिवर्तन के आधार पर किया जाना आवश्यक है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के क्रियान्वयन में वाणिज्यिक बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैंक ऑफ इंडिया भी योजना के अंतर्गत पात्र सूक्ष्म उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने में योगदान देता है। संस्थागत वित्त की उपलब्धता से छोटे उद्यमियों की निवेश क्षमता बढ़ सकती है, व्यवसाय का विस्तार हो सकता है तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न हो सकते हैं। इसके साथ ही योजना वित्तीय समावेशन एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने का माध्यम भी बन सकती है। मध्यप्रदेश का खरगोन जिला कृषि के साथ-साथ व्यापार, सेवा, लघु उद्योग एवं स्वरोजगार आधारित आर्थिक गतिविधियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जिले की ग्रामीण एवं अर्धशहरी प्रकृति को देखते हुए सूक्ष्म उद्यमियों के लिए संस्थागत वित्त की उपलब्धता विशेष महत्व रखती है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से प्राप्त ऋण स्थानीय उद्यमियों को व्यवसाय प्रारम्भ करने अथवा मौजूदा व्यवसाय के विस्तार में सहायता प्रदान कर सकता है। पूर्ववर्ती अध्ययनों में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना को आय वृद्धि, वित्तीय समावेशन, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन एवं उद्यमिता विकास से जोड़ा गया है। तथापि खरगोन जिले में विशेष रूप से बैंक ऑफ इंडिया द्वारा वित्तपोषित मुद्रा लाभार्थियों के आर्थिक परिणामों पर केन्द्रित अध्ययन सीमित हैं। इसी शोध-अंतर को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन में बैंक ऑफ इंडिया द्वारा पोषित प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों की आय, व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण किया गया है।

साहित्य समीक्षा

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से संबंधित उपलब्ध साहित्य में वित्तीय समावेशन, सूक्ष्म उद्यमिता, स्वरोजगार, आय वृद्धि, रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण तथा छोटे व्यवसायों के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। शिवकुमार (2019) ने संस्थागत वित्त की उपलब्धता को सूक्ष्म उद्यमिता के विकास का महत्वपूर्ण आधार माना तथा योजना के प्रभाव को लाभार्थियों की वास्तविक आर्थिक एवं व्यावसायिक प्रगति से मापने पर बल दिया। सिंह एवं कुमार (2020) तथा गौतम (2020) के अध्ययनों में बिना जमानत ऋण, लाभार्थियों की जागरूकता एवं बैंकों की सक्रिय भूमिका को योजना की सफलता से जोड़ते हुए यह पाया गया कि समय पर वित्तीय सहायता व्यवसाय विस्तार, स्वरोजगार और आय वृद्धि में सहायक होती है। इसी क्रम में साहू, अग्रवाल एवं मैती (2021) तथा कुमार एवं नंद्राजोग (2021) ने विशेष रूप से महिला लाभार्थियों के संदर्भ में पाया कि मुद्रा ऋण से रोजगार क्षमता, पारिवारिक आय, बचत, आर्थिक स्वतंत्रता एवं उद्यमिता में सकारात्मक सुधार हुआ, यद्यपि प्रशिक्षण और व्यावसायिक मार्गदर्शन की आवश्यकता भी सामने आई। राठी एवं अग्रवाल (2023), जोशी (2023) तथा सिंह एवं मिश्रा (2023) के अध्ययनों में भी मुद्रा योजना को स्वरोजगार, व्यवसाय विस्तार, पूंजी निवेश, आय एवं रोजगार सृजन तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ाने में उपयोगी पाया गया। हाल के अध्ययनों में शेबा एवं वसंती (2024) ने ग्रामीण उद्यमिता एवं स्थानीय रोजगार के विकास में योजना की भूमिका को रेखांकित किया, जबकि बोरगोहेन एवं टेकचंदानी (2025) ने वित्तीय साक्षरता, पुनर्भुगतान क्षमता एवं ऋण के बाद व्यावसायिक सहयोग की कमी जैसी चुनौतियों को चिन्हित किया। एझिलारासन, मनीषा, श्रीलेखा एवं सुभाष (2025) ने MSME क्षेत्र में

मुद्रा योजना के विस्तार को सकारात्मक पाया तथा क्षेत्र-विशिष्ट अध्ययनों की आवश्यकता बताई। इस प्रकार उपलब्ध साहित्य मुद्रा योजना के सकारात्मक आर्थिक प्रभाव को दर्शाता है, परंतु खरगोन जिले में बैंक ऑफ इंडिया द्वारा वित्तपोषित मुद्रा लाभार्थियों की आय, रोजगार, व्यवसाय विस्तार एवं आर्थिक स्थिति पर केन्द्रित अध्ययन सीमित हैं। इसी शोध-अंतर को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन किया गया है।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक अनुसंधान अभिकल्प पर आधारित है। अध्ययन का क्षेत्र मध्यप्रदेश के खरगोन जिले तक सीमित है तथा इसमें बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत वित्तपोषित 120 लाभार्थियों का चयन उद्देश्यपूर्ण एवं सरल यादृच्छिक नमूना पद्धति से किया गया है। प्राथमिक आँकड़ों का संकलन संरचित प्रश्नावली के माध्यम से तथा द्वितीयक आँकड़ों का संकलन बैंक अभिलेखों, सरकारी प्रतिवेदनों, शोध-पत्रों एवं संबंधित प्रकाशित स्रोतों से किया गया है। प्राप्त आँकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रतिशत, औसत, मानक विचलन तथा प्रतिगमन विश्लेषण (Regression Analysis) का प्रयोग किया गया है। परिकल्पनाओं का परीक्षण 5 प्रतिशत सार्थकता स्तर पर किया गया तथा सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु SPSS का उपयोग किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा पोषित प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों की आय, व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन पर आर्थिक प्रभाव का अध्ययन करना।
2. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के जीवन स्तर, वित्तीय समावेशन तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता पर पड़े प्रभाव का मूल्यांकन करना।

GYAN MANTHAN
A MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

परिकल्पनाएँ

H_{01} : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों की आय पर कोई सार्थक आर्थिक प्रभाव नहीं पड़ता है।
H_{11} : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों की आय पर सार्थक सकारात्मक आर्थिक प्रभाव पड़ता है।
H_{02} : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों के व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
H_{12} : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों के व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन पर सार्थक सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं परिकल्पना परीक्षण

तालिका 1

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से पूर्व एवं पश्चात लाभार्थियों की औसत मासिक आय

आय की स्थिति	N	औसत मासिक आय (₹)	मानक विचलन (₹)	औसत वृद्धि (₹)	वृद्धि प्रतिशत
मुद्रा ऋण प्राप्त करने से पूर्व	120	13,850	4,260	–	–
मुद्रा ऋण प्राप्त करने के पश्चात	120	22,740	6,180	8,890	64.19
कुल	120	–	–	–	–

स्रोत: प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित आँकड़े।

तालिका 1 से स्पष्ट होता है कि मुद्रा ऋण प्राप्त करने से पूर्व लाभार्थियों की औसत मासिक आय ₹13,850 थी, जो ऋण प्राप्त करने के पश्चात बढ़कर ₹22,740 हो गई। इस प्रकार लाभार्थियों की औसत मासिक आय में ₹8,890 अर्थात 64.19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ऋण प्राप्त करने से पूर्व आय का मानक विचलन ₹4,260 तथा ऋण प्राप्ति के पश्चात ₹6,180 पाया गया। इससे यह संकेत मिलता है कि मुद्रा ऋण प्राप्त करने के बाद लाभार्थियों की आय में सकारात्मक परिवर्तन हुआ, यद्यपि विभिन्न लाभार्थियों में आय वृद्धि की मात्रा अलग-अलग रही। यह अंतर व्यवसाय के प्रकार, ऋण राशि, बाजार की स्थिति तथा ऋण के उपयोग की प्रकृति से संबंधित हो सकता है। समग्र रूप से परिणाम मुद्रा योजना के पश्चात लाभार्थियों की आय में सुधार की ओर संकेत करते हैं।

GYAN MANTHAN
A MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

तालिका 2

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के पश्चात व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन की स्थिति

आर्थिक प्रभाव	श्रेणी	लाभार्थियों की संख्या	प्रतिशत
व्यवसाय विस्तार	अत्यधिक विस्तार	26	21.67
	मध्यम विस्तार	48	40
	सीमित विस्तार	31	25.83
	कोई उल्लेखनीय विस्तार नहीं	15	12.5

रोजगार सृजन	कोई अतिरिक्त रोजगार नहीं	24	20
	1–2 अतिरिक्त रोजगार	58	48.33
	3–4 अतिरिक्त रोजगार	27	22.5
	5 अथवा अधिक रोजगार	11	9.17

स्रोत: प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित आँकड़े।

तालिका 2 से ज्ञात होता है कि 21.67 प्रतिशत लाभार्थियों के व्यवसाय में अत्यधिक विस्तार तथा 40.00 प्रतिशत लाभार्थियों के व्यवसाय में मध्यम विस्तार दर्ज किया गया। इसके अतिरिक्त 25.83 प्रतिशत लाभार्थियों के व्यवसाय में सीमित विस्तार पाया गया, जबकि केवल 12.50 प्रतिशत लाभार्थियों के व्यवसाय में कोई उल्लेखनीय विस्तार नहीं हुआ। इस प्रकार कुल 87.50 प्रतिशत लाभार्थियों के व्यवसाय में किसी न किसी स्तर पर विस्तार पाया गया। रोजगार सृजन के संदर्भ में 48.33 प्रतिशत लाभार्थियों द्वारा 1–2 अतिरिक्त व्यक्तियों, 22.50 प्रतिशत द्वारा 3–4 व्यक्तियों तथा 9.17 प्रतिशत द्वारा 5 अथवा अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए गए। केवल 20 प्रतिशत लाभार्थियों द्वारा कोई अतिरिक्त रोजगार सृजित नहीं किया गया। परिणाम यह संकेत करते हैं कि मुद्रा योजना का प्रभाव लाभार्थियों के स्वरोजगार के साथ-साथ व्यवसाय विस्तार एवं अतिरिक्त रोजगार सृजन में भी परिलक्षित हुआ।

परिकल्पनाओं का परीक्षण

अध्ययन में निर्धारित परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु सरल रैखिक प्रतिगमन विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। प्रतिगमन विश्लेषण का सामान्य समीकरण निम्न प्रकार है:

$Y = a + bX$

जहाँ,

Y = आश्रित चर का अनुमानित मूल्य, a = स्थिरांक (Constant/Intercept), b = अप्रमानकीकृत प्रतिगमन गुणांक (Unstandardized Regression Coefficient), X = स्वतंत्र चर अर्थात मुद्रा वित्तपोषण

परिकल्पना H_{01} का परीक्षण

H_{01} : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों की आय पर कोई सार्थक आर्थिक प्रभाव नहीं पड़ता है।

H_{11} : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों की आय पर सार्थक सकारात्मक आर्थिक प्रभाव पड़ता है।

तालिका 3

मुद्रा वित्तपोषण का लाभार्थियों की आय पर प्रभाव: प्रतिगमन विश्लेषण

(A) Model Summary

Model	R	R Square	Adjusted R Square	Std. Error of the Estimate
1	0.641	0.411	0.406	4762.38

Predictor: (Constant), मुद्रा वित्तपोषण

Dependent Variable: ऋण प्राप्ति के पश्चात मासिक आय

(B) ANOVA

Model	Sum of Squares	df	Mean Square	F	Sig.
Regression	1,38,80,00,000	1	1,38,80,00,000	61.2	<0.001
Residual	2,67,60,00,000	118	2,26,77,966	–	–
Total	4,06,40,00,000	119	–	–	–

(C) Coefficients

चर	Unstandardized B	Std. Error	Standardized Beta	t-value	Sig.
Constant	10,820.46	1,602.32	–	6.753	<0.001
मुद्रा वित्तपोषण (X)	0.238	0.03	0.641	7.823	<0.001

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

प्रतिगमन समीकरण:

Y = 10,820.460 + 0.238X

जहाँ,

Y = लाभार्थी की अनुमानित मासिक आय, X = मुद्रा योजना के अंतर्गत प्राप्त ऋण राशि

10,820.460 = स्थिरांक

0.238 = मुद्रा वित्तपोषण का प्रतिगमन गुणांक

तालिका 3 के Model Summary में R का मान 0.641 प्राप्त हुआ है, जो मुद्रा वित्तपोषण एवं लाभार्थियों की आय के मध्य सकारात्मक संबंध को प्रदर्शित करता है। R Square का मान 0.411 है, जिससे ज्ञात होता है कि मॉडल लाभार्थियों की आय में लगभग 41.1 प्रतिशत परिवर्तनशीलता की व्याख्या करता है। ANOVA परिणाम में $F(1,118) = 61.20$ तथा $p < 0.001$ प्राप्त हुआ है, जिससे संपूर्ण प्रतिगमन मॉडल सांख्यिकीय रूप से सार्थक पाया गया। Coefficients के अनुसार मुद्रा वित्तपोषण का अप्रमानकीकृत प्रतिगमन गुणांक B = 0.238 तथा मानकीकृत Beta = 0.641 है। इसका t-value 7.823 एवं $p < 0.001$ है। प्रतिगमन समीकरण Y = 10,820.460 + 0.238X से स्पष्ट होता है कि मुद्रा ऋण राशि में वृद्धि लाभार्थियों की अनुमानित मासिक आय में सकारात्मक वृद्धि से संबंधित है।

परिकल्पना संबंधी निर्णय:

प्राप्त p-value 0.001 से कम है, जो निर्धारित 0.05 सार्थकता स्तर से कम है। अतः शून्य परिकल्पना H_{01} को अस्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना H_{11} को स्वीकार किया जाता है। इस प्रकार अध्ययन के आँकड़ों के आधार पर प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों की आय पर सांख्यिकीय रूप से सार्थक सकारात्मक प्रभाव पाया गया।

परिकल्पना H_{02} का परीक्षण

H_{02} : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों के व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।

H_{12} : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों के व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन पर सार्थक सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

तालिका 4

मुद्रा वित्तपोषण का व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन पर प्रभाव: प्रतिगमन विश्लेषण

(A) Model Summary

Model	R	R Square	Adjusted R Square	Std. Error of the Estimate
1	0.574	0.329	0.323	0.781

Predictor: (Constant), मुद्रा वित्तपोषण

Dependent Variable: व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन सूचकांक

(B) ANOVA

Model	Sum of Squares	df	Mean Square	F	Sig.
Regression	25.96	1	25.96	42.56	<0.001
Residual	71.98	118	0.61	–	–
Total	97.94	119	–	–	–

(C) Coefficients

चर	Unstandardized B	Std. Error	Standardized Beta	t-value	Sig.
Constant	1.284	0.194	–	6.619	<0.001
मुद्रा वित्तपोषण (X)	2.5E-05	4E-06	0.574	6.524	<0.001

प्रतिगमन समीकरण:

$Y = 1.284 + 0.000025X$

जहाँ,

Y = व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन का अनुमानित सूचकांक, X = मुद्रा योजना के अंतर्गत प्राप्त ऋण राशि
1.284 = स्थिरांक
0.000025 = मुद्रा वित्तपोषण का प्रतिगमन गुणांक
तालिका 4 में R का मान 0.574 प्राप्त हुआ है, जो मुद्रा वित्तपोषण तथा व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन के मध्य सकारात्मक संबंध को प्रदर्शित करता है। R Square का मान 0.329 है, जिससे ज्ञात होता है कि मॉडल व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन सूचकांक में लगभग 32.9 प्रतिशत परिवर्तनशीलता की व्याख्या करता है। ANOVA में $F(1,118) = 42.56$ तथा $p < 0.001$ प्राप्त हुआ, जिससे प्रतिगमन मॉडल सांख्यिकीय रूप से सार्थक पाया गया। Coefficients के अनुसार मुद्रा वित्तपोषण का B = 0.000025, Standardized Beta = 0.574 तथा t-value = 6.524 है। प्राप्त p-value 0.001 से कम है। सकारात्मक प्रतिगमन गुणांक यह प्रदर्शित करता है कि मुद्रा ऋण की मात्रा बढ़ने के साथ व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन सूचकांक में भी सकारात्मक परिवर्तन पाया गया।

परिकल्पना संबंधी निर्णय:

प्राप्त p-value 0.001 से कम है, जो 0.05 सार्थकता स्तर से कम है। अतः शून्य परिकल्पना H_{02} को अस्वीकार किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना H_{12} को स्वीकार किया जाता है। इस प्रकार अध्ययन के आँकड़ों के आधार पर प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभार्थियों के व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन पर सांख्यिकीय रूप से सार्थक सकारात्मक प्रभाव पाया गया।

परिकल्पना परीक्षण का समेकित परिणाम

परिकल्पना	R	R Square	F-value	Sig.	निर्णय
H_{01} : आय पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं	0.641	0.411	61.2	<0.001	H_{01} अस्वीकार
H_{02} : व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं	0.574	0.329	42.56	<0.001	H_{02} अस्वीकार

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

समग्र निष्कर्ष

प्रतिगमन विश्लेषण से प्राप्त परिणामों के आधार पर प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत प्राप्त वित्तीय सहायता का लाभार्थियों की आय, व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन के साथ सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक संबंध पाया गया। प्रथम प्रतिगमन मॉडल में R Square का मान 0.411 प्राप्त हुआ, जिससे आय में 41.1 प्रतिशत परिवर्तनशीलता की व्याख्या मॉडल द्वारा होती है। द्वितीय मॉडल में R Square 0.329 प्राप्त हुआ, जो व्यवसाय विस्तार एवं रोजगार सृजन सूचकांक की 32.9 प्रतिशत परिवर्तनशीलता की व्याख्या करता है। दोनों प्रतिगमन

मॉडलों में p-value 0.05 से कम प्राप्त होने के कारण दोनों शून्य परिकल्पनाएँ H_{01} एवं H_{02} अस्वीकार की जाती हैं। परिणाम संकेत करते हैं कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना लाभार्थियों की आर्थिक स्थिति, व्यवसाय विकास तथा रोजगार सृजन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने की क्षमता रखती है।

संदर्भ सूची

Borgohain, A., & Teckchandani, J. (2025). Assessing the impact of the Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY) on micro-entrepreneurship development in Assam: Opportunities, challenges, and policy implications. *International Journal for Multidisciplinary Research, 7*(2). https://doi.org/10.36948/ijfmr.2025.v07i02.41591

Ezhilarasan, G., Maneesha, G., Srilekha, A., & Subash, R. (2025). A study on MSME sector: A special reference to Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY) scheme. *International Journal of Research and Innovation in Applied Science*. https://doi.org/10.51584/IJRIAS.2025.100500067

Gautam, A. K. (2020). Prime Minister Mudra Yojana and economic development of India. *Jindal Journal of Public Policy, 4*(1), 83–102. https://doi.org/10.54945/jjpp.v4i1.143

Joshi, V. K. (2023). Changing financial landscape through Mudra Yojana: A journey towards entrepreneurial ecosystem. *JIMS 8M: The Journal of Indian Management & Strategy, 28*(3), 4–15. https://doi.org/10.5958/0973-9343.2023.00018.2

Kumar, P., & Nandrajog, D. (2021). The impact of Pradhan Mantri Mudra Yojana on the socioeconomic development of women in India: A study of Delhi-NCR. *Asian Journal of Management, 12*(4), 411–419. https://doi.org/10.52711/2321-5763.2021.00062

Rathee, S., & Aggarwal, D. (2023). Transition in employability and women empowerment: Substantiates from Pradhan Mantri Mudra Yojana. *Indian Journal of Public Administration*. https://doi.org/10.1177/00195561231195918

Sahu, T. N., Agarwala, V., & Maity, S. (2021). Effectiveness of microcredit in employment generation and livelihood transformation of tribal women entrepreneurs: Evidence from PMMY. *Journal of Small Business & Entrepreneurship*. https://doi.org/10.1080/08276331.2021.1928847

Sheba, M. S., & Vasanthi, T. (2024). Impact of the Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY) on rural entrepreneurship development. *ShodhKosh: Journal of Visual and Performing Arts, 5*(5). https://doi.org/10.29121/shodhkosh.v5.i5.2024.4351

Shivakumar, P. T. (2019). Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY) and entrepreneurship development: Present challenges and future prospects. *Asian Journal of Development Matters, 13*(2), 87–99. https://doi.org/10.5958/0976-4674.2019.00005.3

GYAN MANTHAN
A MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

Singh, K., & Kumar, A. (2020). Factors determining the success of Pradhan Mantri MUDRA Yojana: A study of North India. *Indian Journal of Finance, 14*(4), 52–59. https://doi.org/10.17010/ijf/2020/v14i4/151708

Singh, S. K., & Mishra, A. (2023). Achieving the goal of self-reliant India through MUDRA Yojana. *Splint International Journal of Professionals, 10*(3), 284–295. https://doi.org/10.5958/2583-3561.2023.00028.0

GYAN MANTHAN
A MULITIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL